डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी

दिनांकः 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 03

# पोर्टल पर सिर्फ 60 फीसदी शिक्षकों के दस्तावेज अपलोड

## 15 मई अंतिम तिथि होने के चलते विवि व संबंद्ध कॉलेजों में असमंजस के हालात

अमर उजाला ब्यूरो

**अयोध्या।** समर्थ पोर्टल पर अभी तक सिर्फ 60 फीसदी शिक्षकों के दस्तावेज ही अपलोड हो सके हैं। इसकी अंतिम तिथि 15 मई होने के चलते डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय और संबंद्ध कॉलेजों में असमंजस के हालात हैं। हालांकि शिक्षकों ने शासन की ओर से इसकी अंतिम तिथि बढ़ाए जाने की उम्मीद संजो रखी है।

अवध विश्वविद्यालय और संबंद्ध कॉलेजों के शिक्षक इन दिनों समर्थ पोर्टल पर खुद से जुड़े सभी दस्तावेज अपलोड करने की मुहिम में जुटे हुए हैं। इस बारे में कई शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पोर्टल ठीक तरीके से काम नहीं कर रहा है। अपलोडिंग ठीक तरीके से नहीं हो पा रही है। कई बार सर्वर डाउन हो जाने से भी दिक्कत आ रही है। ऐसे में उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। वैसे भी शासन की ओर से इसके लिए तय की गई अंतिम मोहलत खत्म होने में अब सिर्फ दो दिन ही शेष रह गए हैं।

अवध विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों ने बताया कि इस संबंध में शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने लखनऊ में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय से मुलाकात कर समर्थ पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने की मांग की है। इस बारे में उनकी ओर से विचार किए जाने का आश्वासन मिला है लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की जा सकी है। ऐसे में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

शिक्षकों ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर शासन के निर्देशों के अनुसार उन्हें कई तरह के विवरण साक्ष्यों के साथ अपलोड करने हैं। इसमें हाईस्कूल से लेकर अंतिम डिग्री, नियुक्ति पत्र, प्रमोशन, पीएचडी, पुस्तक लेखन, शोधपत्र, सेमिनार व कॉन्फ्रेंस में प्रतिभागिता, लघु शोध प्रबंधों के पर्यवेक्षण, वर्ष में कक्षा लेने के घंटे और परीक्षाओं में ड्यूटी समेत इसी तरह के तमाम शैक्षणिक और शिक्षण कार्य अनुभव से जुड़े विवरण दस्तावेजों के साथ अपलोड करने हैं।

जानकारों ने बताया कि इस कवायद के पीछे शासन की मंशा है कि शिक्षकों की डिग्री संबंधी फर्जीवाड़े से बचा जा सकेगा। एक ही क्लिक पर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के शिक्षकों के बारे में सभी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इससे उनकी मेधा का भी आवश्यकता पड़ने पर परीक्षण हो सकेगा। शासन को कोई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने के लिए दक्ष प्रोफसरों की तलाश करने में आसानी होगी। इसी तरह की कई अन्य सहुलियत होगी। फिलहाल शिक्षक भी चाहते हैं कि उनके सभी विवरण अपलोड हो जाएं लेकिन इसमें आ रही तकनीकी बाधा का समाधान नहीं हो पा रहा है।

### यूजी सेमेस्टर परीक्षा में 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित

**अयोध्या।** अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षा में 83,648 परीक्षार्थियों में से 1,782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23,187, द्वितीय पाली में 29,860 और तृतीय पाली में 30,601 परीक्षार्थी शामिल थे, जिनमें से क्रमशः 401, 588 और 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचल दल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रथम पाली में छह छात्राएं नकल करते हुए पकड़ी गईं। इन परीक्षार्थियों के खिलाफ परीक्षा नियमानुसार कार्रवाई की गई है। मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल की ओर से विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण लगातार किया जा रहा है। (संवाद)

# हिन्दुस्तान

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 06

अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में स्नातक के 22 कोर्स संचालित, इंटर में 35 हजार बच्चे उत्तीर्ण, स्नातक में महज 2500 सीटें

## यूजी में दाखिले को सीटें कम, अभ्यर्थियों की कतार

मिशन एडमिशन

■ रामपूर्ति यादव

**अयोध्या।** यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड के इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में स्नातक व अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए मारामारी होगी, क्योंकि आवासीय परिसर में संचालित स्नातक के 22 पाठ्यक्रम में महज 2500 सीटें है। जबकि जिले में इंटरमीडिएड में लगभग 25 हजार बच्चे उत्तीर्ण हुए हैं। इसलिए स्नातक व समकक्ष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यिर्थयों की लंबी कतार है।

ऐसे हालात में छात्रों को किसी निजी संस्थान का सहारा लेना पड़ेगा या अन्य प्रांत एवं जिले में दाखिले के लिए दरवाजा खटखटाना पड़ेगा। फिलहाल अवध विवि में यूजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू है और आगामी 10 जून तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट वर्ष- 2025 की की परीक्षा में जिले में 30 हजार 666 बच्चे पास हुए हैं। इनमें छात्र की संख्या 14 हजार 240 और छात्राओं की संख्या 16 हजार 426 है। इसके अलावा सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में लगभग 3400 बच्चे पास हैं। अब सभी विद्यार्थियों को स्नातक व अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना है। अवध विवि आवासीय परिसर में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के तहत स्नातक में मारामारी रहेगी, क्योंकि सीटें सीमित हैं और जिले में अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होगी। ऐसे में अभ्यर्थियों को निजी कॉलिजों का सहारा लेना पड़ेगा या अन्य जिले में प्रवेश लेना मजबूरी होगी। अवध विवि में स्नातक में तमाम ऐसे प्रोफेशनल पाठ्यक्रम हैं जो संचालित नहीं होते हैं। इसलिए अभ्यिर्थयों को बाहर जाकर पढ़ाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा। स्नातक में प्रवेश के लिए परिसर में संचालित यूजी कोर्सों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की चल रहा है। प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं 'डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू आरएमएलएयू एडीएम डाट समर्थ डाट ईडीयू डाट इन' पर आनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विवि आवासीय परिसर के प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि यूजी कोर्स के लिए आनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से किया जाएगा।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय।

### यूजी के पांच सेल्फ फाइनेंस कोर्स प्रवेश सूची से बाहर

**अयोध्या।** अवध विवि आवासीय परिसर मे सत्र 2025- 26 मे स्नातक मे प्रवेश की सूची से कई पाठ्यक्रम बाहर कर दिए गए हैं, क्योंकि इन पाठ्यक्रमों में 10 से अिधक छात्रसंक्ष्या नहीं होती थी। इसलिए विवि ने इन्हें बंद करने का फैसला लिया था। प्रवेश सूची से बाहर होने वाले कोर्स में बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट (बीपीए), वी- वोक टूरिज्म एण्ड हास्पिटलटी मैनेजमेंट, बैचलर आफ सोशल वर्क (बीएसडबल्यू), यूजी डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं।

- छात्रों को ऐसे में निजी संस्थान का सहारा लेना पड़ेगा
- प्रवेश की अंतिम तिथि 10 जून तक निर्धारित की गई

### समर्थ पोर्टल के जरिए होगा आवेदन

**अयोध्या।** अवध विवि आवासीय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में स्नातक में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल के जरिए आवेदन होगा। सत्र 2025-26 में प्रवेश की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार से विवि में प्रवेश की नई प्रणाली लागू की गई है। जिसके तहत 40 फीसदी सीटों पर सीयूईटी और 60 फीसदी सीट पर विवि स्वयं प्रवेश लेगा। प्रवेश मेरिट के आधार पर किया जाएगा। सीयूईटी प्रवेया के तहत सीटें रिक्त होने पर सीटों को अवध विवि अपने स्तर से भरेगा।

## यूजी में इन 22 पाठ्यक्रम में होगा दाखिला, आवेदन शुरू

**अयोध्या।** अवध विवि आवासीय परिसर के यूजी कोर्स में बीए, बीएससी, फाइन आर्टस, सूचना एवं लाइब्रेरी साइंस, बीबीए, बीसीए, बीकाम, बीवोक मास कम्यूनिकेशन एण्ड जर्नलिज्म, फैशन डिजाईनिंग एण्ड गारमेंटस टेक्नोलाजी में प्रवेश आनलाइन आवेदन शुरू है।

इसके अलावा फैशन डिजाइनिंग, डिजाइनिंग एण्ड इंस्ट्रूमेंटेशन, वीएलएसआई डिजाइन, कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए है। अन्य कोर्सेज में बीपीईएस, बीपीएड, हेल्थ एण्ड फिटनेस मैनेजमेंट, स्टैंथ एण्ड कंडिसनिंग, डीफार्मा, बीफार्मा तथा सर्टिफिकेट कोर्स में आर्ट एप्रिसिएशन, फरमेंटेशन टेक्नोलाजी, स्वायल एण्ड वाटर टेस्टिंग, प्रोफिसियेंसी इन इंग्लिश कम्यूनिकेशन सहित विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के बीए, बीबीए, बीसीए में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू है।

- फैशन डिजाइनिंग और वीएलएसआई डिजाइन में प्रवेश को आवेदन मांगे
- बीए, बीबीए, बीसीए में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

# हिन्दुस्तान

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 06

शहर 30s

## परीक्षा में छह छात्राएं नकल करते पकड़ीं

**अयोध्या।** अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83 हजार 648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23 हजार 187, द्वितीय पाली में 29 हजार 860 व तृतीय पाली में 30 हजार 601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर विवि के सचल दल ने विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इसमें प्रथम पाली में छह छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए पकड़ी गईं।

## एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मिली मान्यता

**अयोध्या।** अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता मिल गई है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं।

# अवध विवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मान्यता

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार :** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई।

व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश

**▸▸ छात्रों को टूरिज्म क्षेत्र में कॉरिअर के मिलेंगे बेहतर विकल्प : प्रो. हिमांशु**

स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में कॉरिअर के बेहतर विकल्प मिलेंगे। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। जिससे उन्हें कॅरिअर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि सत्र 2025-2026 के लिये प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते हैं। पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. महेन्द्र पाल, डॉ. अंशुमान, डॉ. रविन्द्र, व डॉ. कपिल देव ने हर्ष व्यक्त किया।

## सेमेस्टर परीक्षा : नकल करते पकड़ी गईं छह छात्राएं

**अयोध्या, अमृत विचार :** अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षा में बुधवार को प्रथम पाली की परीक्षा में छह छात्राएं नकल करते पकड़ी गईं। इन पर नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया गया है। आज तीन पालियो में 83,648 परीक्षार्थियों में से 1,782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 03

# विवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मान्यता

**अयोध्या (एसएनबी)।** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता मिल गई। एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिए अवसर मिलता है।

**मान्यता से छात्रों के साथ सरकार की योजनाओं में लाभ मिलेगा . प्रो. सिंह**

व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में कैरियर के बेहतर विकल्प मिल रहे है। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आए। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। प्रो. सिंह ने बताया कि सत्र 2025-2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, या विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते है।

पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. राना रोहित सिंह, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. रविन्द्र भारद्वाज, डॉ. कपिल देव समेत विभाग के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में टूरिज्म क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करेगा। छात्रों के सामने कई विकल्प खुले होंगे।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

# अविवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मिली मान्यता

**स्वतंत्र चेतना, अयोध्या।** अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कउन्सिल फर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई। एआईसीटीई स्वीत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है।

उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। प्रो0 सिंह ने यह भी बताया कि सत्र 2025-2026 के लिये प्रवेश प्रक्रिया अनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, या विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डा0 राना रोहित सिंह, डा0 महेन्द्र पाल सिंह, डा0 अंशुमान पाठक, डा0 रविन्द्र भारद्वाज, डा0 कपिल देव के विभाग के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया।

# स्वतंत्र चेतना

**दिनांक: 15 मई, 2025** **पृष्ठ संख्या: 03**

## छह छात्राएं नकल करते पकड़ी गई

**स्वतंत्र चेतना, अयोध्या।** अवध विश्वविद्यालय की स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23187, द्वितीय पाली में 29860 व तृतीय पाली में 30601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए धरी गई। इन परीक्षार्थियों पर परीक्षा नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया है जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुई पकड़ी गई। इस दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हुई।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 09

# अवध विवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मिली मान्यता

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या)** डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई। एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। प्रो0 सिंह ने यह भी बताया कि सत्र 2025-2026 के लिये प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, या विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते हैं। पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 राना रोहित सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 रविन्द्र भारद्वाज, डॉ0 कपिल देव के विभाग के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया।

# स्वतंत्र भारत

दिनांकः 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 09

## स्नातक सम सेमेस्टर की प्रथम पाली में छह छात्राएं नकल करते धरी गई

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या)** डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23187, द्वितीय पाली में 29860 व तृतीय पाली में 30601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए धरी गई। इन परीक्षार्थियों पर परीक्षा नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया है जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुई पकड़ी गई। इस दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

# बस्ती की पुकार

दिनांक: 15 मई, 2025 — पृष्ठ संख्या: 04


## अवध विवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मिली मान्यता

**बस्ती की पुकार**

अयोध्या:– डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई। एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र

में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। प्रो0 सिंह ने यह भी बताया कि सत्र 2025–2026 के लिये प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, या विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते हैं। पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 राना रोहित सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 रविन्द्र भारद्वाज, डॉ0 कपिल देव के विभाग के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया।

## यूजी सेमेस्टर परीक्षा में 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित

### प्रथम पाली में छह छात्राएं नकल करते धरी गई

**बस्ती की पुकार**

अयोध्याः— डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23187, द्वितीय पाली में 29860 व तृतीय पाली में 30601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए धरी गई। इन परीक्षार्थियों पर परीक्षा नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया है जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुई पकड़ी गई। इस दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हुई।

# शांतिमोर्चा

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 03


# अवध विश्वविद्यालय के एमबीए टूरिज्म को मिली एआईसीटीई से मान्यता

**(शान्तिमोर्चा संवाद)**

**अयोध्या।** डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई। एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है। प्रो0 सिंह ने यह भी बताया कि सत्र 2025–2026 के लिये प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो गई है, जिसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है, या विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर आईईटी कैंपस के एमबीए विभाग में संपर्क कर सकते हैं। पाठ्यक्रम को एआईसीटीई की मान्यता मिलने पर प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 राना रोहित सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 रविन्द्र भारद्वाज, डॉ0 कपिल देव के विभाग के सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया।

शांतिमोर्चा

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 08

# यूजी सेमेस्टर परीक्षा में 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित

## प्रथम पाली में छह छात्राएं नकल करते धरी गई

(शान्तिमोर्चा संवाद)

**अयोध्या।** डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23187, द्वितीय पाली में 29860 व तृतीय पाली में 30601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए धरी गई।

इन परीक्षार्थियों पर परीक्षा नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया है जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुई पकड़ी गई। इस दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हुई।

# तरूणमित्र

दिनांकः 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 06


## अवध विवि के एमबीए टूरिज्म को एआईसीटीई से मिली मान्यता

**अयोध्या।** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में संचालित एमबीए टूरिज्म, एमबीए फाइनेंस, एमबीए एग्री बिजनेस पाठ्यक्रम को आल इंडिया कॉउन्सिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मान्यता प्रदान की गई। एआईसीटीई स्वीकृत पाठ्यक्रमों से विभिन्न सरकारी ग्रांटस, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय छात्रवृतियों और अन्य योजनाओं के लिये अवसर मिलता है। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि एआईसीटीई की अनुमति मिलने से छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे टूरिज्म क्षेत्र में करियर के बेहतर विकल्प मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टूरिज्म एवं हॉस्पिटैलिटी पाठ्यक्रम को भारत एवं राज्य स्तर में उधोगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जा रहा, जिससे उन्हें कॅरियर के निर्धारण में कोई समस्या न आये। पर्यटन के छात्रों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ भौतिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने एआईसीटीई की अनुमति मिलने से हर्ष व्यक्त किया। कहा कि एआईसीटीई की मान्यता से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि शिक्षकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाभ मिल सकता है।

तरूणमित्र

दिनांक: 15 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 06

# यूजी सेमेस्टर परीक्षा में 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित

## प्रथम पाली में छह छात्राएं नकल करते धरी गई

**अयोध्या।** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की तीन पालियों की परीक्षा में 83648 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 1782 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 23187, द्वितीय पाली में 29860 व तृतीय पाली में 30601 में से 401, 588, 793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी ओर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ल के निर्देश पर सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए धरी गई। इन परीक्षार्थियों पर परीक्षा नियमानुसार कार्यवाही की गई। मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया है जिनमें प्रथम पाली में 06 छात्राएं अनुचित साधन का प्रयोग करते हुई पकड़ी गई। इस दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हुई।